



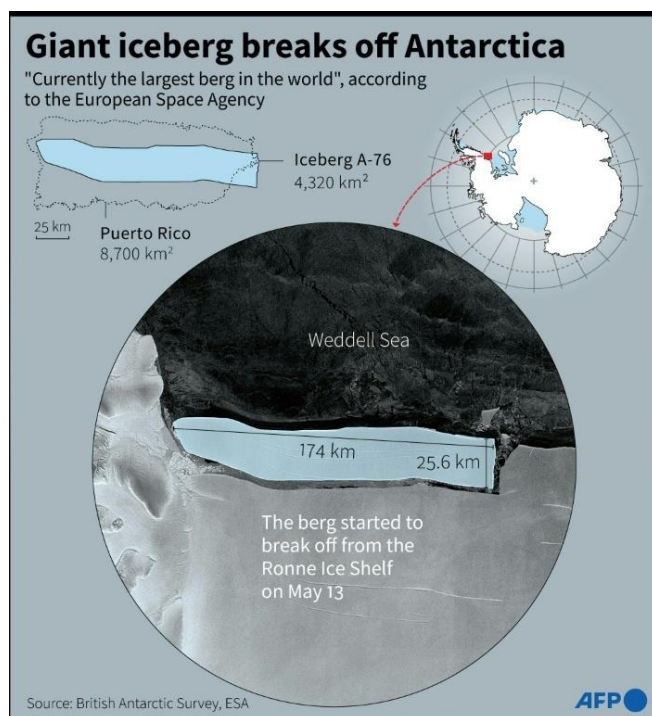
A-76: विश्व का सबसे बड़ा हिमखंड

drishtiias.com/hindi/printpdf/a-76-world-s-largest-iceberg

चर्चा में क्यों?

अंटार्कटिका में वेडेल सागर में स्थित रॉन आइस शेल्फ (Ronne Ice Shelf) के पश्चिमी हिस्से से एक विशाल हिमखंड/हिमशैल 'ए-76' (A-76) का खंडन हुआ है।

इसका आकार लगभग 4320 वर्ग किमी है तथा यह वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा हिमखंड है।



प्रमुख बिंदु:

A-76 के संदर्भ में:

- हाल ही में कोपरनिकस सेंटिनल-1 मिशन द्वारा कैप्चर की गई उपग्रह छवियों में 'A-76' को देखा गया था। सेंटिनल-1, कोपरनिकस पहल (एक पृथ्वी अवलोकन कार्यक्रम) के तहत यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) के मिशनों में से एक है।

- यह अब दूसरे स्थान पर मौजूद A-23A से आगे निकल गया है, जो आकार में लगभग 3,380 वर्ग किमी है और वेडेल सागर में तैर रहा है।

हिमशैल/आईसबर्ग (Iceberg):

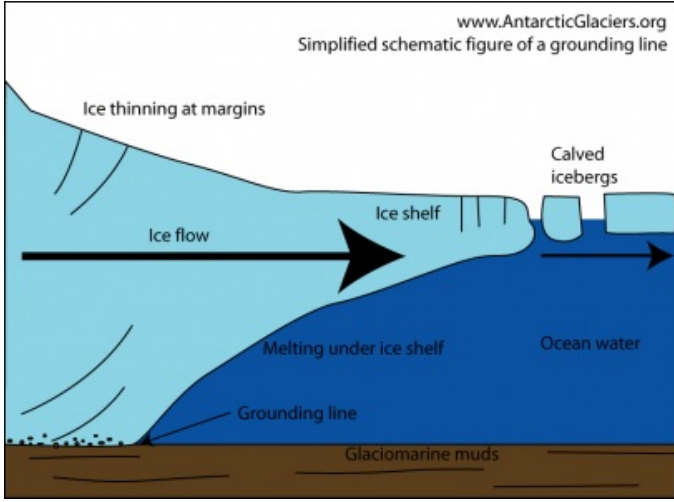
- एक हिमशैल वह बर्फ होती है जो ग्लेशियरों या आइसशेल्फ से टूटकर खुले जल में तैरती है।
- आईसबर्ग समुद्र की धाराओं के साथ तैरते हैं और या तो उथले पानी में फँस जाते हैं या स्थल के समीप रुक जाते हैं।
- **यूएस नेशनल आइस सेंटर (US National Ice Center- USNIC)** एकमात्र ऐसा संगठन है जो अंटार्कटिक आइसबर्ग का नामकरण करता है और उन्हें ट्रैक करता है।
आईसबर्ग का नाम अंटार्कटिक चतुर्थांश (**Antarctic Quadrant**) के अनुसार रखा गया है जिसमें उन्हें देखा जाता है।

आइसशेल्फ (Ice Shelves):

- आइसशेल्फ एक प्रकार का लैंड आइस का तैरता हुआ विस्तार है। अंटार्कटिक महाद्वीप आइसशेल्फ से घिरा हुआ है।
- यह अंटार्कटिक प्रायद्वीप के किनारे पर 'रॉन आइस शेल्फ' बर्फ की कई विशाल तैरती हुई परतों में से एक है, जो महाद्वीप को भूभाग से जोड़ती है और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैली हुई है।

हिमनद का खंडन

- **अर्थ**
 - खंडन (Calving) एक ग्लेशियोलॉजिकल शब्द है, जिसका आशय ग्लेशियर के किनारे की बर्फ के टूटने से है।
 - जब कोई ग्लेशियर पानी (यानी झीलों या समुद्र) में बहता है तो हिमनद का खंडन सबसे आम होता है, लेकिन यह शुष्क भूमि पर भी हो सकता है, जहाँ इसे 'शुष्क खंडन' के रूप में जाना जाता है।
- **खंडन हालिया मामले**
20वीं सदी के अंत तक 'लार्सन आइस शेल्फ' (पश्चिम अंटार्कटिक प्रायद्वीप पर) लगभग बीते 10000 से अधिक वर्षों से स्थिर था।
 - हालाँकि वर्ष 1995 में इसका एक बड़ा हिस्सा टूट गया, जिसके बाद वर्ष 2002 में इसका दूसरा हिस्सा टूटा।
 - इसके पास स्थित विल्किंस आइस शेल्फ (Wilkins Ice Shelf) का खंडन वर्ष 2008 और वर्ष 2009 में तथा A68a का खंडन वर्ष 2017 में हुआ।



चिंताएँ

- शेल्फ के बड़े हिस्से को समय-समय पर खंडित करना प्राकृतिक चक्र का हिस्सा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण इस प्रक्रिया में तेज़ी आई है ।
 - वर्ष 1880 के बाद से औसत समुद्र स्तर में लगभग नौ इंच की बढ़ोतरी हुई है और इस वृद्धि का लगभग एक-चौथाई हिस्सा ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बर्फ की परतों के पिघलने से हुआ है ।
 - एक हालिया अध्ययन की मानें तो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और हाल ही में निर्धारित जलवायु परिवर्तन को धीमा करने संबंधी महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य समुद्र के स्तर को बढ़ने से रोकने के लिये पर्याप्त नहीं है ।
- वास्तव में यदि सभी देश पेरिस समझौते के तहत अपने लक्ष्यों को पूरा भी करते हैं तो ग्लेशियरों और बर्फ की परतों के पिघलने से समुद्र का स्तर दोगुना तेज़ी से बढ़ेगा ।

स्रोत: द हिंदू